mrjkapy nhi 29-08-2018

अनुसंधान, शिक्षा व विस्तार के क्षेत्रों में मिलकर करेंगे काम

आईसीएफआरई और आईसीएआर में एमओयू साइन

उत्तरांचल दीप ब्यूरो

देहरादून। भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (आईसीएफआरई) ने अनुसंधान, शिक्षा और विस्तार के क्षेत्रों में सहयोग के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के साथ एमओयू साइन किया है। कृषि भवन में आयोजित एक सादे कार्यक्रम में समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून के महानिदेशक डॉ. एससी गैरोला और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के महानिदेशक डॉ. टी मोहपात्रा ने हस्ताक्षर किए।

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देश भर में स्थित अपने संस्थानों और केंद्रों के माध्यम से, राष्ट्रीय स्तर पर वानिकी अनुसंधान, विस्तार तथा शिक्षा का मार्गदर्शन, प्रचार और समन्वय कर रही है। वर्तमान में भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, जलवायु परिवर्तन, वन उत्पादकता, जैव विविधता और कौशल विकास के क्षेत्रों में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय महत्व के समकालीन मुद्दों पर ध्यान केंद्रित कर रही है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, देश में कृषि के साथ ही बागवानी, मत्स्य पालन और पशु विज्ञान में अनुसंधान और शिक्षा के समन्वय, मार्गदर्शन और प्रबंधन के लिए शीर्ष निकाय है। इस समझौता ज्ञापन पर सहयोगी अनुसंधान परियोजनाओं के विकास और कार्यान्वयन के अलावा, कृषि और वानिकी अनुसंधान, विशेष रूप से वैज्ञानिकों और तकनीशियनों, जर्मप्लाज्म, प्रजनन सामग्री और वैज्ञानिक ज्ञान के आदान-प्रदान के उद्देश्य से हस्ताक्षर किए गए हैं। इस सहभागिता के माध्यम से भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद अपनी वैज्ञानिक और तकनीकी विशेषज्ञता साझा करके एक दूसरे के पूरक होंगे। यह हितधारकों को जानकारी प्रसारित करने के लिए तकनीकी अंतराल की पहचान, वन आधारित प्रौद्योगिकियों के विस्तार, कृषि विज्ञान केंद्रों और वन विज्ञान केंद्रों के संसाधनों का आदान-प्रदान करने में मदद करेगा। यह आजीविका के अवसरों को बढ़ावा देने और जंगल आधारित समुदायों की आय बढ़ाने के साथ-साथ उद्योगों को उचित प्रौद्योगिकियों तक पहुंच के साथ वन आधारित संसाधनों के उपयोग को इष्टतम बनाने में सहायता करेगा। अपने संबंधित वैज्ञानिक अनुसंधान संस्थानों और केंद्रों के बीच अंतर-संस्थागत संबंध इस सहयोग को और मजबूत करेंगे। भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के एक साथ आने से कृषि-वानिकी, जैव प्रौद्योगिकी, नैनो टेक्नोलॉजी, वृक्ष आधारित चारा विकास, नीति अनुसंधान, औषधीय पौधों, वन आनुवांशिक संसाधनों का संरक्षण, मानव संसाधन विकास, जैव विविधता और जलवायु परिवर्तन के मुद्दों के क्षेत्र में प्राथमिक क्षेत्रों की पहचान करके पारस्परिक हित के विकास के लिए राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों को हल करने में मदद मिलेगी। इस समझौता ज्ञापन से दोनों क्षेत्रों के लिए अनुसंधान और विकास में सहक्रिया प्रदान होने की उम्मीद है जिससे अंततः बेहतर आर्थिक और पारिस्थितिकीय सुरक्षा को बढ़ावा मिलेगा।

ंक उलझन

में सही अंक भरो ताकि उनका
दाएं और नीचे दिया गया है।

9	7	3	31
7			28
	1	0	17
2	4		19

nSfud tkxj.k 29-08-2018

आइसीएफआरई व आसीएआर के बीच एमओयू

जागरण संवाददाता, देहरादून: भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (आइसीएफआरई) व भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आइसीएआर) के माध्यम एमओयू साइन किया गया। अब दोनों परिषद एक दूसरे के साथ अपने तकनीकी ज्ञान को साझा कर सकेंगी।

मंगलवार को कृषि भवन में एमओयू पर आइसीएफआरई के महानिदेशक डॉ. एससी गैरोला व आइसीएआर के महानिदेशक डॉ. डी महापात्रा ने हस्ताक्षर किए। इस साझा प्रयास का मकसद कृषि-वानिकी, जैव प्रौद्योगिकी, नैनो टेक्नोलॉजी, वृक्ष आधारित चारा विकास, नीति अनुसंधान, औषधीय पादप, वन आनुवांशिक संसाधनों का संरक्षण, मानव संसाधन विकास, जैवविविधता व जलवायु परिवर्तन की दिशा में मिलकर काम करना है। ताकि अपने-अपने क्षेत्रों के दोनों दिग्गज संस्थान प्राथमिक क्षेत्रों की पहचान कर राष्ट्रीय महत्व वाले मसलों का हल निकाल सकें। साथ ही जिससे देश की जनता को लाभ मिले और उनकी सुविधाओं में इजाफा हो।

एमओयू पर हस्ताक्षर करने के दौरान आइसीएफआरई महानिदेशक डॉ. एससी गैरोला व आइसीएआर के महानिदेशक डॉ. डी महापात्रा • जागरण

tuHkkjr esy 29-08-2018

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

देहरादून, संवाददाता।

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् देहरादून तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के बीच कृषि भवन में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया। इस समझौता ज्ञापन पर भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्, देहरादून के महानिदेशक डॉ. एस. सी. गैरोला और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के महानिदेशक डॉ. टी. मोहपात्रा ने हस्ताक्षर किए।

इस समझौता ज्ञापन पर सहयोगी अनुसंधान परियोजनाओं के विकास और कार्यान्वयन के अलावा, कृषि और वानिकी अनुसंधान, विशेष रूप से वैज्ञानिकों और तकनीशियनों, जर्मप्लाज्म, प्रजनन सामग्री और वैज्ञानिक ज्ञान के आदान-प्रदान के उद्देश्य से हस्ताक्षर किए गए हैं।

इस सहभागिता के माध्यम से भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद अपनी वैज्ञानिक और तकनीकी विशेषज्ञता साझा करके एक दूसरे के पूरक होंगे। यह हितधारकों को जानकारी प्रसारित करने के लिए तकनीकी अंतराल की पहचान, वन आधारित प्रौद्योगिकियों के विस्तार, कृषि विज्ञान केंद्रों और वन विज्ञान केंद्रों के संसाधनों का आदान-प्रदान करने में मदद करेगा। यह आजीविका के अवसरों को बढ़ावा देने और जंगल आधारित समुदायों की आय बढ़ाने के साथ-साथ उद्योगों को उचित प्रौद्योगिकियों तक पहुंच के साथ वन आधारित संसाधनों के उपयोग को इष्टतम बनाने में सहायता करेगा।

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के एक साथ आने से कृषि-वानिकी, जैव प्रौद्योगिकी, नैनो टेक्नोलॉजी, वृक्ष आधारित चारा विकास, नीति अनुसंधान, औषधीय पौधों, वन आनुवांशिक संसाधनों का संरक्षण, मानव संसाधन विकास, जैव विविधता और जलवायु परिवर्तन के मुद्दों के क्षेत्र में प्राथमिक क्षेत्रों की पहचान करके पारस्परिक हित के विकास के लिए राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों को हल करने में मदद मिलेगी। इस समझौता ज्ञापन से दोनों क्षेत्रों के लिए अनुसंधान और विकास में सहक्रिया प्रदान होने की उम्मीद है जिससे अंततः बेहतर आर्थिक और पारिस्थितिकीय सुरक्षा को बढ़ावा मिलेगा।

jk”Vzh; lgkjk 29-08-2018

आईसीएफआरई और आईसीएआर में करार

■ देहरादून/एसएनबी।

वैज्ञानिक व तकनीकी विशेषज्ञता साझा करने के उद्देश्य से भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (आईसीएफआरई) तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के मध्य समझौता हुआ है। आईसीएफआरई के महानिदेशक डा. एससी गैरोला व आईसीएआर के महानिदेशक डा. टी मोहमात्रा ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

समझौते पर हस्ताक्षर के दौरान मौजूद डा. गैरोला व डा. मोहमात्रा।

इस सहभागिता के माध्यम से भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद अपनी वैज्ञानिक व तकनीकी विशेषज्ञता साझा करके एक दूसरे के पूरक होंगे। हितधारकों को जानकारी प्रसारित करने के लिए तकनीकी अंतराल की पहचान, वन आधारित प्रौद्योगिकियों का विस्तार, कृषि विज्ञान केंद्रों और वन विज्ञान केंद्रों के संसाधनों का आदान-प्रदान करने में मदद मिलेगी। अधिकारियों का कहना है कि यह आजीविका के अवसरों को बढ़ावा देने और वनों पर निर्भर रहने वाले समुदायों की आय बढ़ाने के साथ उद्योगों में उचित प्रौद्योगिकी पहुंच व वन आधारित संसाधनों के उपयोग को सरल बनाने में भी मददगार साबित होगा।

वैज्ञानिक व तकनीकी विशेषज्ञता साझा करेंगे दोनों वैज्ञानिक संस्थान

fgUnqLrku 29-08-2018

आईसीएफआरई ने किया समझौता

देहरादून। अब वानिकी और कृषि के क्षेत्र में साझा अनुसंधान हो सकेंगे। मंगलवार को नई दिल्ली में भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (आईसीएफआरई) देहरादून और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) नई दिल्ली के बीच समझौता हुआ।

mrj Hkkjr ykbo 29-08-2018

अनुसंधान शिक्षा और उसके विस्तार पर जोर

आईसीएआर व कृषि किसान कल्याण मंत्रालय में समझौता

उत्तर भारत लाइव ब्यूरो
uttarbharatlive.com

देहरादून। भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद ने अनुसंधान शिक्षा और विस्तार के क्षेत्रों में सहयोग के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली आईसीएआर कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त इस समझौता ज्ञापन पर परिषद देहरादून के महानिदेशक डा. एस सी गैरोला और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के महानिदेशक डा. टी मोहपात्रा ने हस्ताक्षर किए। परिषद देश भर में स्थित अपने संस्थानों और केंद्रों के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर वानिकी अनुसंधान, विस्तार तथा शिक्षा का मार्गदर्शन प्रचार और समन्वय कर रही है। वर्तमान में परिषद जलवायु परिवर्तन, वन उत्पादकता, जैव

» इससे आजीविका के साथ-साथ आय भी बढ़ेगी

विविधता और कौशल विकास के क्षेत्रों में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय महत्व के समकालीन मुद्दों पर ध्यान केंद्रित कर रही है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद देश में कृषि के साथ ही बागवानी, मत्स्य पालन और पशु विज्ञान में अनुसंधान और शिक्षा के समन्वय, मार्गदर्शन और प्रबंधन के लिए शीर्ष निकाय है। परिषद के अधिदेश में कृषि शिक्षा, नीति और सहयोग के समन्वय के अलावा संवहनीय कृषि के लिए अनुसंधान और प्रौद्योगिकी विकास को बढ़ावा देना शामिल है। इस समझौता ज्ञापन पर सहयोगी अनुसंधान परियोजनाओं के विकास और कार्यान्वयन के अलावा, कृषि और वानिकी अनुसंधान, विशेष रूप से वैज्ञानिकों और तकनीशियनों, जर्मप्लाज्म, प्रजनन सामग्री और वैज्ञानिक ज्ञान के आदान प्रदान के उद्देश्य से हस्ताक्षर किए गए हैं। उन्होने बताया कि यह हितधारकों को जानकारी प्रसारित करने के लिए तकनीकी अंतराल की पहचान, वन आधारित प्रौद्योगिकियों के विस्तार, कृषि विज्ञान केंद्रों औरवन विज्ञान केंद्रों के संसाधनों का आदान प्रदान करने में मदद करेगा। यह आजीविका के अवसरों को बढ़ावा देने और जंगल आधारित समुदायों की आय बढ़ाने के साथ-साथ उद्योगों को उचित प्रौद्योगिकियों तक पहुंच के साथ वनआधारित संसाधनों के उपयोग को इष्टतम बनाने में सहायता करेगा। अपने संबंधित वैज्ञानिक अनुसंधान संस्थानों औरे द्रों के बीच अंतर-संस्थागत संबंध इस सहयोग को और मजबूत करेंगे।

vkbZ uSDlV 29-08-2018

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के बीच कृषि भवन में समझौता ज्ञापन को हस्ताक्षर किया गया. इस समझौता ज्ञापन पर सहयोगी अनुसंधान परियोजनाओं के विकास और कार्यान्वयन के अलावा कृषि और वानिकी अनुसंधान, विशेष रूप से वैज्ञानिकों और तकनीशियनों, जर्मप्लाज्म, प्रजनन सामग्री आदान-प्रदान के उद्देश्य से हस्ताक्षर किए गए हैं.

vej mtkyk 29-08-2018

आईसीएफआरई-आईसीएआर ने मिलाया हाथ

देहरादून। प्रदेश के वन बाहुल्य क्षेत्रों में वन संसाधनों से आय बढ़ाने के लिए आईसीएफआरई और आईसीएआर ने हाथ मिलाया है। दोनों संस्थाएं मिलकर शोध करेंगी। वनों में जलवायु परिवर्तन के मुताबिक जीविकोपार्जन के साधन तलाश किए जाएंगे। मंगलवार को दिल्ली में भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (आईसीएफआरई) के महानिदेशक डॉ. एससी गैरोला और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद(आईसीएआर) के महानिदेशक डॉ. टी मोहपात्रा ने इस संबंध में एमओयू साइन किया।

Garhwal Post 29.08.2018

ICFRE signs MoU with ICAR on Research Collaboration

By OUR STAFF REPORTER

DEHRADUN, 28 Aug: A Memorandum of Understanding (MoU) was signed today at Krishi Bhawan, Ministry of Agriculture and Farmers' Welfare, New Delhi, between Indian Council of Forestry Research and Education (ICFRE), Dehradun (an Autonomous Council under the Ministry of Environment, Forest and Climate Change) and Indian Council of Agricultural Research (ICAR), New Delhi (an Autonomous Council under Ministry of Agriculture and Farmers' Welfare). The MoU was signed by Dr SC Gairola, Director General, ICFRE, and Dr T Mohapatra, Director General, ICAR, New Delhi.

ICFRE, through its Institutes and Centres located across the country, is guiding, promoting and coordinating forestry research, extension, education at the national level. Currently, ICFRE is focusing on contemporary issues of national and international importance particularly in the areas of climate change, forest productivity, biodiversity and skill development.

ICAR is the apex body for coordinating, guiding and managing research and education in agriculture including horticulture, fisheries and animal sciences in the country. The mandate of ICAR includes promoting research and technology development for sustainable agriculture besides coordinating agricultural education, policy and cooperation.

The MoU has been signed with the objectives to promote cooperation between agriculture and forestry research, particularly in exchange of scientists and technologists, germplasm, breeding material and scientific knowledge, besides development and implementation of collaborative research projects.

Through this collaboration, ICFRE and ICAR will complement each other by sharing their scientific and technical expertise. This will help in identifying technological gaps, extension of forest based technologies, exchange of resources of Krishi Vigyan Kendras and Van Vigyan Kendras for dissemination of information to stakeholders. This will also help to promote livelihood opportunities and augment income of the forest based communities as well as assist the industries to optimise the utilisation of forest based resources with access to appropriate technologies. Inter-institutional links between their respective scientific research institutes and centres will further strengthen the collaboration.

Coming together of ICFRE and ICAR shall help in resolving issues of national importance by identification of priority areas in the field of agro-forestry, biotechnology, nanotechnology, tree based fodder development, policy research, medicinal plants, conservation of forest genetic resources, human resource development, biodiversity and climate change issues of mutual interest. The MoU is expected to provide synergy in research and development for both sectors and will ultimately aim to in promote better economic and ecological security.

The Pioneer 29.08.2018

CFRE & ICAR sign MoU

For boosting cooperation between agriculture ,forestry research

PNS ■ DEHRADUN

A Memorandum of Understanding was signed between the Indian Council of Agricultural Research (ICAR) and the Indian Council of Forestry Research and Education (ICFRE) to promote cooperation between agriculture and forestry research, particularly in exchange of scientists and technologists, germplasm, breeding material and scientific knowledge, besides development and implementation of collaborative research projects.

The MoU was signed at Krishi Bhawan, Ministry of Agriculture and Farmers' Welfare, New Delhi by ICFRE Director General SC Gairola and ICAR director general T Mohapatra.

The MoU has been signed with the objectives of promoting cooperation between agriculture and forestry research, particularly in exchange of scientists and technologists, germplasm, breeding material and scientific knowledge, besides development and implementation of collaborative research projects. Through this collaboration, ICFRE and ICAR will complement each other by sharing their scientific and technical expertise.

Officials state that this will help in identifying technological gaps, extension of forest based technologies, exchange of resources of Krishi Vigyan Kendras and Van Vigyan Kendras for dissemination of information to stakeholders.

This will also help to promote livelihood opportunities and augment income

This will also help to promote livelihood opportunities and augment income of the forest based communities as well as assist the industries to optimise the utilisation of forest based resources with access to appropriate technologies. Inter-institutional links between their respective scientific research institutes and centres will further strengthen the collaboration.

Coming together of ICFRE and ICAR shall help in resolving issues of national importance by identification of priority areas in the field of agroforestry, biotechnology, nanotechnology, tree based fodder development, policy research, medicinal plants, conservation of forest genetic resources, human resource development, biodiversity and climate change issues of mutual interest. The MoU is expected to provide synergy in research and development for both sectors and will ultimately aim to promote better economic and ecological security.

It should be mentioned here that the ICFRE, through its institutes and centres located across the country, is guiding, promoting and coordinating forestry research, extension, education at the national level. Currently ICFRE is focusing on contemporary issues of national and international importance particularly in the areas of climate change, forest productivity, biodiversity and skill development. On the other hand, the ICAR is the apex body for co-ordinating, guiding and managing research and education in agriculture including horticulture, fisheries and animal sciences in the country. The mandate of ICAR includes promotion of research and technology development for sustainable agriculture besides coordinating agricultural education, policy and cooperation.

Himachal Times 29.08.2018

ICFRE, Education signs MOU with ICAR for collaboration in areas of Research, Education

DEHRADUN, AUG 28 (HTNS)

A Memorandum of Understanding (MoU) was signed today at Krishi Bhawan, Ministry of Agriculture and Farmers' Welfare, New Delhi between Indian Council of Forestry Research and Education (ICFRE), Dehradun (an Autonomous Council under the Ministry of Environment, Forest and Climate Change) and Indian Council of Agricultural Research (ICAR), New Delhi (an Autonomous Council under Ministry of Agriculture and Farmers' Welfare).

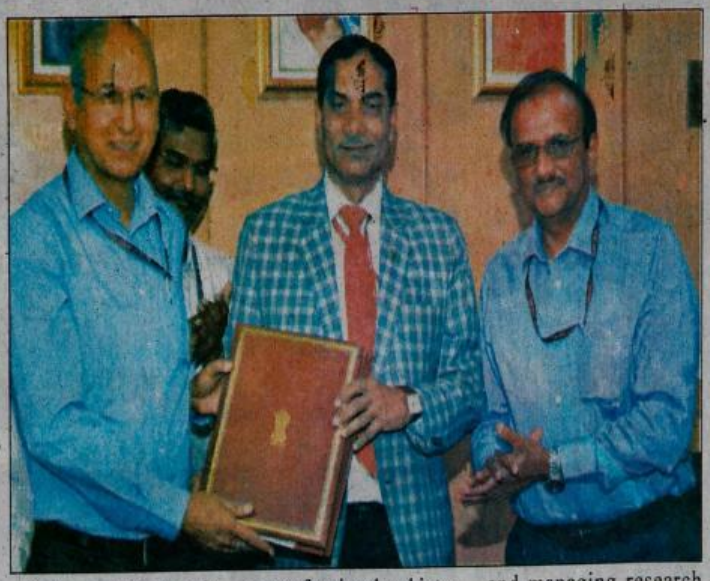

The MoU was signed by Dr. S.C. Gairola, Director General, ICFRE, Dehradun and Dr. T. Mohapatra, Director General, ICAR, New Delhi.

ICFRE, through its Institutes and Centers located across the country, is guiding, promoting and coordinating forestry research, extension, education at the national level. Currently ICFRE is focusing on contemporary issues of national and international importance particularly in the areas of climate change, forest productivity, biodiversity and skill development.

ICAR is the apex body for coordinating, guiding and managing research and education in agriculture including horticulture, fisheries and animal sciences in the country. The MoU has been signed with the objectives to promote cooperation between agriculture and forestry research, particularly in exchange of scientists and technologists, germ plasm, breeding material and scientific knowledge, besides development and implementation of collaborative research projects.

Through this collaboration, ICFRE and ICAR will complement each other by sharing their scientific and technical expertise. This will help in identifying technological gaps, extension of forest based technologies, exchange of resources of Krishi Vigyan Kendras and Van Vigyan Kendras for dissemination of information to stakeholders.

This will also help to promote livelihood opportunities and augment income of the forest based communities as well as assist the industries to optimize the utilization of forest based resources with access to appropriate technologies. Coming together of ICFRE and ICAR shall help in resolving issues of national importance by identification of priority areas in the field of agro-forestry, biotechnology, nanotechnology, tree based fodder development, policy research, medicinal plants, conservation of forest genetic resources, human resource development, biodiversity and climate change issues of mutual interest. The MoU is expected to provide synergy in research and development for both sectors and will ultimately aim to promote better economic and ecological security.

The Hawk
29 August, 2018

Indian Council Of Forestry Research And Education Signs Memorandum Of Understanding With Indian Council Of Agricultural Research For Collaboration In Areas Of Research, Education And Extension

Dehradun: A Memorandum of Understanding (MoU) was signed on 28th August, 2018 at Krishi Bhawan, Ministry of Agriculture and Farmers' Welfare, New Delhi between Indian Council of Forestry Research and Education (ICFRE), Dehradun (an Autonomous Council under the Ministry of Environment, Forest and Climate Change) and Indian Council of Agricultural Research (ICAR), New Delhi (an Autonomous Council under Ministry of Agriculture and Farmers' Welfare). The MoU was signed by Dr. S.C. Gairola, Director General, ICFRE, Dehradun and Dr. T. Mohapatra, Director General, ICAR, New Delhi.

ICFRE, through its Institutes and Centres located across the country, is guiding, promoting and coordinating forestry research, extension, education at the national level. Currently ICFRE is focusing on contemporary issues of national and international importance particularly in the areas of climate change, forest productivity, biodiversity and skill development.

ICAR is the apex body for co-ordinating, guiding and managing research and education in agriculture including horticulture, fisheries and animal sciences in the country. The mandate of ICAR includes to promote research and technology development for sustainable agriculture besides coordinating agricultural education, policy and cooperation.

The MoU has been signed with the objectives to promote cooperation between agriculture and forestry research, particularly in exchange of scientists and technologists, germplasm, breeding material and scientific knowledge, besides development and implementation of collaborative research projects.

Through this collaboration, ICFRE and ICAR will complement each other by sharing their scientific and technical expertise. This will help in identifying technological gaps, extension of forest based technologies, exchange of resources of Krishi Vigyan Kendras and Van Vigyan Kendras for dissemination of information to stakeholders. This will also help to promote livelihood opportunities and augment income of the forest based communities as well as assist the industries to optimize the utilization of forest based resources with access to appropriate technologies. Inter-institutional links between their respective scientific research institutes and centres will further strengthen the collaboration. Coming together of ICFRE and ICAR shall help in resolving issues of national importance by identification of priority areas in the field of agro-forestry, biotechnology, nanotechnology, tree based fodder development, policy research, medicinal plants, conservation of forest genetic resources, human resource development, biodiversity and climate change issues of mutual interest. The MoU is expected to provide synergy in research and development for both sectors and will ultimately aim to in promote better economic and ecological security.